## राजस्व विभाग युद्ध जागीर दिनांक 31 श्रगस्त, 1982

कमांक 1327-ज(II)-82/30373 — पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1) तथा 3(1) के अनुसार सौपे गए अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्री वस्तावर सिंह, पुत्र श्री मीहुं, गांव सौंधी, तहसील झज्जर, जिला रोहतक, को रवी, 1976 से खरीफ़, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहवं प्रदान करते हैं।

## दिनांक 6 सितम्बर, 1982

कमांक 1305ज-(I)-82/31321:--पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार प्रधित्यम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणाः राज्य में प्रपत्ताया गया है और उसमें ग्राज तक संबोधन किया गया है) की धारा 2(ए) (1) तथा 3(1) के अनुसार सीपे गए प्रधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्रीमती भरमस, विध्वा श्री स्थोकरण, गांव गागडवास, तहसील लोहारू, जिला भिवानी को रबी, 1977 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दो गई शर्तों के अनुसार सहष् प्रदान करते हैं।

क्रमांक 1278-ज(I)-82/31325 --श्री विश्व द द स, पूत श्री छाजू राम, गांव लाहा, तहसील नारायणगढ़, जिला श्रम्बाला, की दिनांक 28 सितम्बर, 1980, को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार प्राधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में भ्रपनाया गया है और उस में भ्राज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए)(1) तथा 3(1) के भ्रधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री विश्व स्वर द दास को मुक्लिंग 150 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे पंजाब/हरियाणा सरकार की भ्रधिसूचना क्रमांक 7175-जे.-एन.-III-66/16100, दिनांक 8 जुलाई, 1966 तथा मधिसूचना क्रमांक 5041-आर-III-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970, द्वारा मंजूर की गयी थी, प्रव उसकी विधवा श्रीमती भागवन्ती के नाम रबी, 1981 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में थी गई भर्ती के श्रन्त्गंत प्रदान करते हैं।

क्रमांक 1247-ज(I)-82/31329 — श्री हरी सिंह, पुत्र श्री रूलिया राम, गांव शहजादपुर, तहसील नारायणगढ़, जिला श्रम्बाला की, दिनांक 12 दिसम्बर, 1975 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार प्रधिनियम, 1948 (जैसा कि जसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उस में भाज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए)(1) तथा 3(1) के श्रधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री हरी सिंह को मुख्लिग 300 रुपये वाधिक की जागीर जो जसे पंजाब/हरियाणा सरकार की श्रधिसूचना क्रमांक 3331-जे.-एन.-III-66/6870, दिनांक 2-2 अप्रैल, 1966, भ्रधिसूचना क्रमांक 5041-मार-III-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 द्वारा मंजूर की गयी थी, श्रम्ब उसकी विध्या सीमती नन्दकौर के नाम खरीफ, 1976 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वाधिक तथा रही, 1980 से 300 रुपये वाधिक की दर से सन्द में दी गई शर्तों के अन्तर्गत प्रदान करते हैं।

क्रमांक 1250-ज (I) -82/31333 - श्री रिसाल सिंह; पूज श्री रामजीलाल, गांव बंबानिया, तहसील व जिला महेन्द्रगढ़ की दिनांक 27 मई, 1982 को हुई मृत्युं के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार क्रिकियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में श्रपनाया गया है और उसमें आज तक संगोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(v), 1(v) तथा 3(1v) के श्रधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री रिसाल सिंह को मुक्लिंग 300 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे पंजाब/हरियाणा सरकार की अधिसूचना त्रमांक 1797- भार - 4-67/2071-ए, दिनांब 15 जुल ई, 1967 तथा श्रिक्ट्यना त्रमांक 5041- श्राप्त III-70/29505; दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 तथा 1789-ज-I-79/44040, दिनांक 30 श्रक्तूबर, 1979 द्वारा मंजूर की गई थी, अब उस की दिधवा श्रीमती हुंग कीर वे नाम खरीफ 1982 से 300 रुपये वार्षिक की देर से सन्द में दी गई शर्तों के श्रांतंच प्रदान करते हैं।

कमांक 1296-ज(I)-82/31337 — श्री गनेशी राम, पुत्र श्री राम सहाय, गांव मांलडा, तहसील व जिला महेन्द्रमढ़, की दिनांक 18 अगस्त, 1980, को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए)(1) तथा 3(1) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री गनेशीराम को मुख्तिग 150 रुपये वाषिक की जागीर जो उसे पंजाब/हरियाणा सरकार की अधिसूचन! कमांक 6396-आर-4-67/4 696, दिनांक 13 दिसम्बर, 1967 तथा अधिसूचना कमांक 5041-आर-III-70/-295-05, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970, द्वारों मंजूर की गई श्री, अब उसकी विधवा श्रीमती गोरा के नाम रबी, 1981 से 300 रुपये वाषिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तिगत प्रदीन करते हैं।